बिरहोर जनजाति बाल विवाह के विरुद्ध आंदोलन में शामिल हुई

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **झारखंड के** एक विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह, बिरहोर जनजाति के लोग पहली बार बाल विवाह के **विरुद्ध आंदोलन में शामिल हुए** हैं।

मुख्य बिंदु

- **बिरहोर समुदाय:**
  - **बिरहोर लोग** एक अर्द्ध-खानाबदोश जनजातीय समुदाय **हैं, जो काफी हद तक वनों पर निर्भर हैं तथा आर्थिक और सामाजिक रूप से हाशिये पर रह रहे हैं।**
  - पहली बार झारखंड के गिरिडीह ज़िले में बिरहोर समुदाय के सैकड़ों सदस्य बाल विवाह के विरुद्ध आंदोलन में शामिल हुए, जो उनके समुदाय में व्याप्त एक व्यापक प्रथा है।
- **बाल विवाह के परिणामों के संबंध में जागरूकता:**
  - जस्ट **राइट्स फॉर चिल्ड्रन अलायंस (JRC) ने** इस बात पर प्रकाश डाला कि यह आयोजन पहला जागरूकता अभियान था, जिसमें समुदाय को बाल विवाह की वैधता और परिणामों के बारे में जानकारी दी गई।
  - युवा, बच्चे, महिलाएँ और बुज़ुर्ग मोमबत्तियों की रोशनी में एकत्र हुए तथा बाल विवाह को समाप्त करने तथा ऐसे किसी भी मामले की सूचना देने की सामूहिक शपथ ली।
- **सरकारी अभियान के लिये समर्थन:**
  - यह मार्च केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा शुरू किये गए 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान के तहत बनवासी विकास आश्रम द्वारा आयोजित किया गया था।
  - बनवासी विकास आश्रम JRC गठबंधन के तहत 250 साझेदार गैर-सरकारी संगठनों (NGO) में से एक है।
  - बिरहोर जनजाति को इस सामाजिक समस्या के प्रति सजग करने के उद्देश्य से **बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा और समग्र विकास पर बाल विवाह के नकारात्मक प्रभावों पर विचार-विमर्श किया गया।**
  - JRC ने सभी 24 ज़िलों के ब्लॉकों, गाँवों और स्कूलों में कार्यक्रमों के माध्यम से **अप्रैल से दिसंबर 2024 के बीच झारखंड में 7,000 से अधिक बाल विवाह रोकने का दावा किया है।**
- **उच्च प्रसार वाले ज़िले:**
- **जामताड़ा, देवघर, गोड्डा, गिरिडीह, कोडरमा और दुमका** की पहचान बाल विवाह के उच्च मामलों वाले ज़िलों के रूप में की गई।

बिरहोर जनजाति

- **शारीरिक बनावट:** वे **छोटे कद के, लंबे सिर, लहराते बाल और चौड़ी नाक वाले होते हैं।**
- **भाषा: उनकी भाषा संथाली, मुंडारी और हो के** समान है।
- **धर्म:** वे **जीववाद और हिंदू धर्म का मिश्रण मानते हैं।** सूर्य देव उनके सर्वोच्च देवता हैं, साथ ही लुगु बुरु और बुधिमई भी उनके आराध्य हैं।
- **अर्थव्यवस्था:** बिरहोर की "आदिम निर्वाह अर्थव्यवस्था" **शिकार और संग्रहण पर आधारित है,** लेकिन कुछ लोग खेतीबाड़ी में लग गए हैं। वे **बेल के रेशों से रस्सियाँ बनाते हैं और आस-पास के कृषि करने वाले लोगों को बेचते हैं।**
- **सामाजिक-आर्थिक स्थिति:** बिरहोर को उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति के आधार पर **दो समूहों में विभाजित किया गया है: घुमंतू उथलू और स्थायी जांघि (wandering Uthlus and the settled Janghis)।**

//

भारत में प्रमुख जनजातियाँ

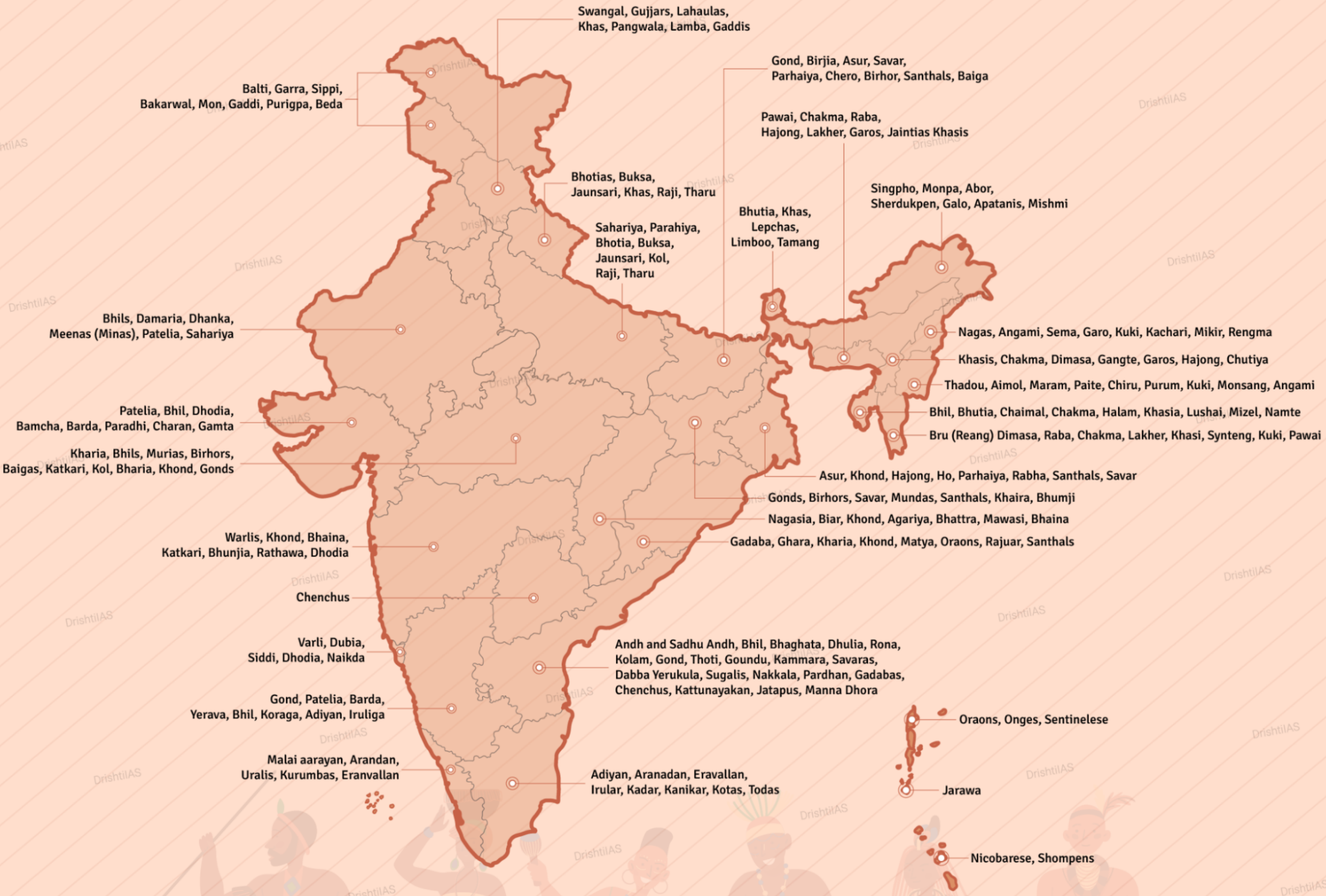

- अनुसूचित जनजाति **भारत की जनसंख्या का 8.6%** है (जनगणना 2011)। **मसौदा राष्ट्रीय जनजातीय नीति, 2006 में भारत की 698 अनुसूचित जनजातियाँ** दर्ज हैं।
- **विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह** (PVTGs) ऐसी जनजातियों का समूह है जो जनजातीय समूहों के बीच अधिक असुरक्षित/सुभेद्य हैं। **75 सूचीबद्ध** PVTGs **में से सबसे अधिक संख्या ओडिशा में** पाई जाती है।
- **भील भारत का सबसे बड़ा आदिवासी समूह** (भारत की **कुल अनुसूचित जनजातीय आबादी** का 38% है।
- भारत की **सबसे अधिक जनजातीय आबादी मध्य प्रदेश** में पाई जाती है (जनगणना 2011)।
- **संथाल भारत की सबसे पुरानी जनजाति** है। संथालों की शासन प्रणाली, जिसे **मांझी-परगना** के नाम से जाना जाता है, की तुलना स्थानीय स्वशासन से की जा सकती है।
- अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति सूची (परिशोधन आदेश), 1956 के अनुसार, **लक्षद्वीप** के ऐसे निवासी जो स्वयं और जिनके माता-पिता दोनों इन द्वीपों में पैदा हुए थे, उन्हें **अनुसूचित** जनजाति के रूप में माना जाता है।
- संविधान का **अनुच्छेद 342** अनुसूचित जनजातियों के विनिर्देशन के लिये अपनाई जाने वाली प्रक्रिया का निर्धारण करता है।
- **अनुच्छेद 275** अनुसूचित जनजातियों के कल्याण को बढ़ावा देने और उन्हें बेहतर प्रशासन प्रदान करने के लिये केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकार को **विशेष धन देने का प्रावधान** करता है।

Drishti IAS

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/birhor-tribe-joins-the-movement-against-child-marriage